Coronavirus CivActs Campaign presents

CIVIC ACTION TEAMS

FAIR FACTS

अंक ११९

०८।०३।२०७८

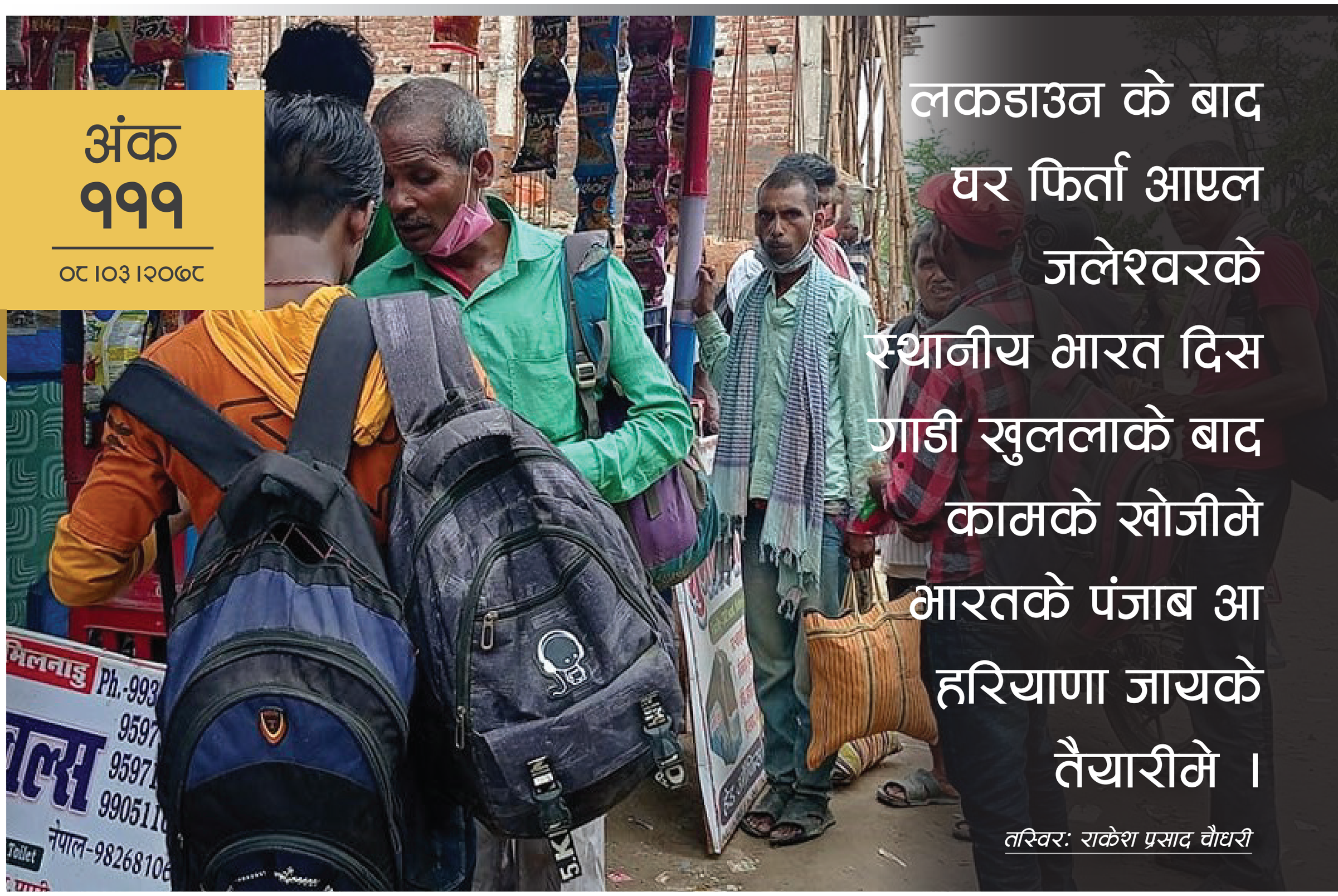

लकडाउन के बाद घर फिर्ता आएल जलेश्वरके स्थानीय भारत दिस गाडी खुललाके बाद कामके खोजीमे भारतके पंजाब आ हरियाणा जायके तैयारीमे ।

तस्विर: राकेश प्रसाद चौधरी

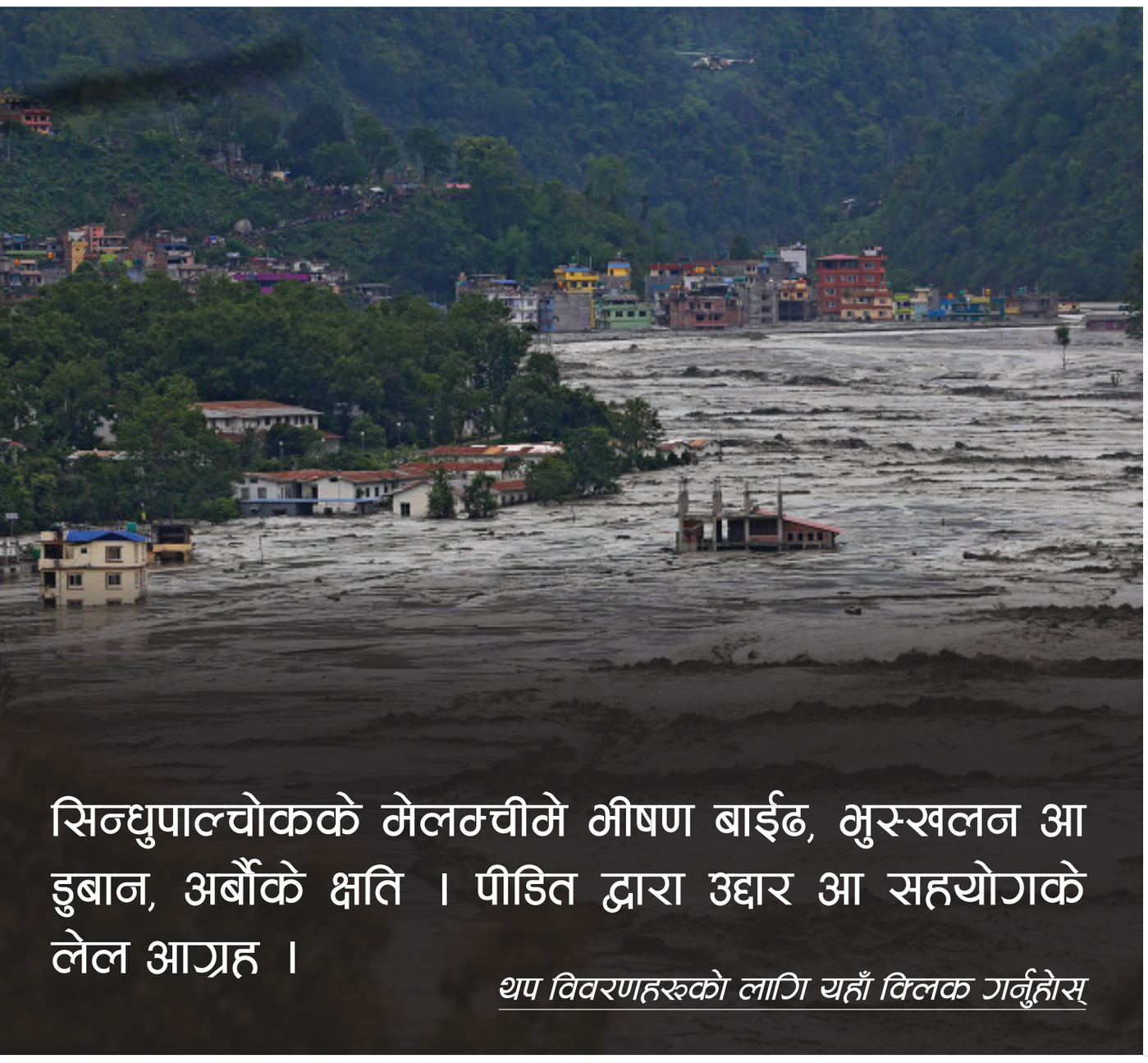

सिन्धुपाल्चोकके मेलम्चीमे भीषण बाईढ, भुस्खलन आ डुबान, अर्बौंके क्षति । पीडित द्वारा उद्धार आ सहयोगके लेल आग्रह ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

अई अंक भित्तर

प्रदेश सरकारद्वारा कएलगेल प्रयास नेपालके स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार आ आर्थिक पूनरुत्थानके लेल पर्याप्त छै त ?

आर्थिक पुनरुत्थान आ राहतके व्यवस्था केने कहैत अछि, लेकिन बजेटमे कतौ उल्लेख भेल नै देखाईत अछि ।

सरकारद्वारा दातृ निकायसँ स्वास्थ्य सामानसभ सहयोग भेट रहल अछि, ऊ सामानसभ कत जाईत अछि ?

कोन अस्पतालमे कते सामान पठेलक कहिक विभाग सूची सार्वजनिक केने छै ।

जनानीके बान्हवला ईज्जतके डोरी सँ पुरुषके बान्ह नै मिलतै ?

नैहरमे माँ बाबुजी आ घरमे सास सासुर घरवलाके छोडला सँ कोई ईज्जत नै करत कहैत छथि ।

फ्याक्ट सिट

कि प्रदेश सरकारद्वारा कएलगेल प्रयास नेपालके स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार आ आर्थिक पुनरुत्थानके लेल पर्याप्त छै त ?

१ प्रदेश नं. १

जम्मा बजेट

रु. ३२ अर्ब ४६ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (१.६९%)

- कोभिड - १९ ईलाज तथा रोकथामके लेल रु. ४४ करोड
- उद्यमशिलता आ आर्थिक पुनरुत्थानके लेल रु. १० करोड

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (१०.४६%)

- सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाके सुदृढ कर
  रु. ३ अर्ब २५ करोड
- सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाके सुदृढ कर
  रु. १ करोड ५० लाख

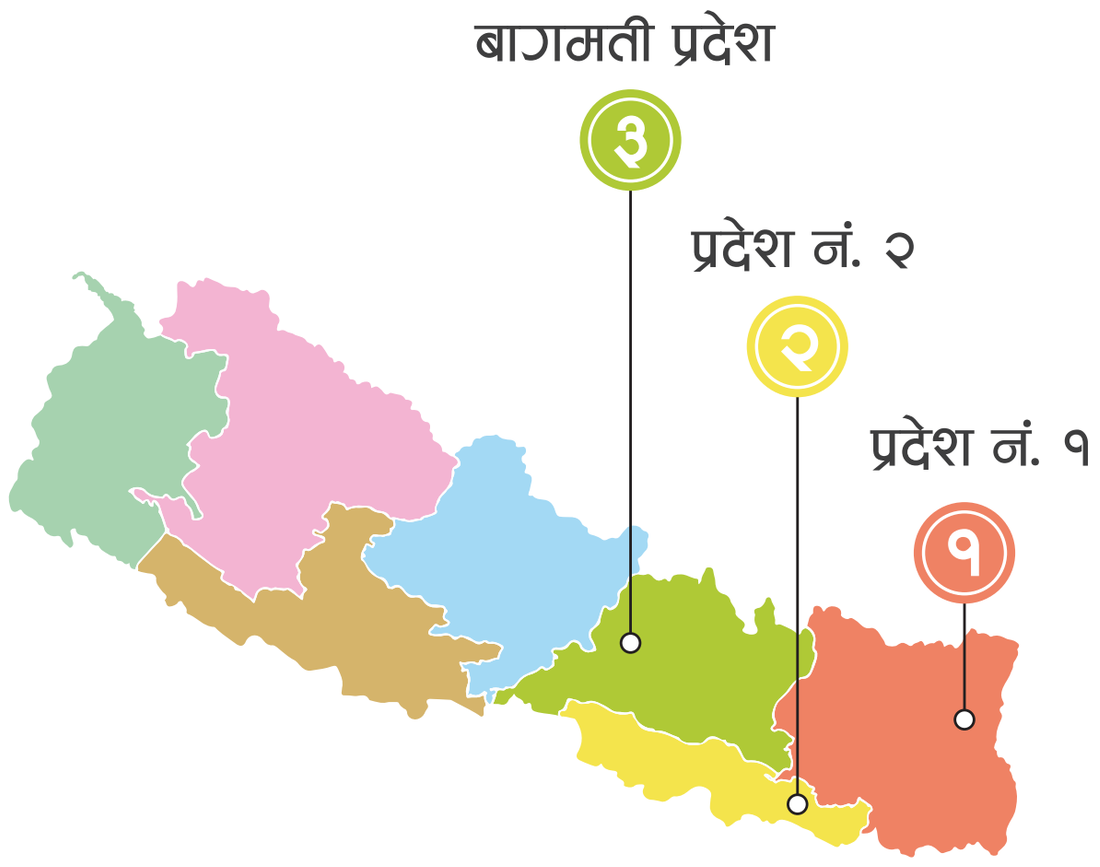

२ प्रदेश नं. २

जम्मा बजेट

रु. ३३ अर्ब ७९ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (१.०३%)

- स्वास्थ्य उपकरण किन रु. २० करोड
- कोभिड - १९ के कारण रोजगारी गुमेने नवयुवकसभके सहयोग कर्र रु. १० करोड

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (२.४%)

- अस्पतालके क्षमता बृद्धि कर रु. ४५ करोड
- वैकल्पिक ईलाजके लेल रु. ४३ करोड
- एक विद्यालय एक नर्स कार्यक्रमके लेल रु. ३५ करोड
- उद्योग विकास सहायताके लेल रु. २८ करोड ५० लाख

३ बाग्मती प्रदेश

जम्मा बजेट

रु. ५७ अर्ब ७२ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (३.४७%)

- खोप कार्यक्रमके लेल रु. २ अर्ब

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (८.११%)

- आर्थिक पुनरुत्थानके लेल
  रु. २ अर्ब
- स्वास्थ्य संरचना बनाबके लेल
  रु. २ अर्ब ४२ करोड
- एक विद्यालय एक नर्स कार्यक्रमके लेल
  रु. २६ करोड

प्रदेश नं. १, प्रदेश नं. २ आ बाग्मती प्रदेशसँ हालसाले सार्वजनिक केने वार्षिक बजेटके उद्देश्य आ प्राथमिकतामे आर्थिक पुनरुत्थान आ राहतके रखलाके बादो बिनियोजनमे प्रतिबिम्बित नै होईछै । एना देखलापर, प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित बजेटके तुलनामे अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित बजेटके अंश बहुते छै । प्रदेश सरकारद्वारा आर्थिक पुनरुत्थान आ राहतके व्यवस्था केने कहने अछि, लेकिन बजेटमे कतौ उल्लेख भेल नै देखाईत अछि । उद्योग दर्ता, नविकरण आ जरिवानामे किछ छुट देलगेल छै, लेकिन नीजि उद्योगद्वारा भोगलगेल क्षतिके तुलनामे ई एकदमे कम छै । पक्के नीजि क्षेत्रके उठाब ई बजेट बहुते सहयोग कर सकैय । नागरिकके आर्थिक स्तर सुधार कल्ल मांगके बढाक उद्योगके सहयोग करके एकटा उपाय होब सकैय ।

हल्ला आ तथ्य

आब जोर बिजोर प्रणाली अनुसार काठमाण्डौ उपत्यकासँ बाहरके जिलामे जाय पायत आ बाहर सँ उपत्यका प्रवेश कर पायब कहिक सुनाईत अछि?

नै, निषेधाज्ञा ढिला कळक जोर बिजोर प्रणाली अनुसार नीजि सवारी साधन चलाब पावके नियम काठमाण्डौ उपत्यकाके तिनु जिला काठमाण्डौ, भक्तपुर आ ललितपुर भितर मात्रे कार्यान्वित हेतै । काठमाण्डौ उपत्यकासँ अत्यावश्यकिय काम सँ बाहर जिलामे जाय परलापर पहिलेही जका जिला प्रशासन कार्यालय सँ जारी कएलगेल पास जरुरी हेतै त, आरो जिला सँ पास लळक आएल बाहेक उपत्यका प्रवेश कर नै पाओत ।

Source: https://daokathmandu.moha.gov.np/public/upload/

बहुतोरास दातृ निकायस प्राप्त स्वास्थ्य सामान सरकार जरुरतके आधारमे देशभैरके अस्पतालसभमे पठारहल जनौलक अछि । कोन अस्पतालमे कते मात्रामे कोन सामान पठेलक कहिक स्वास्थ्य सेवा विभाग सूची सार्वजनिक केने छै । विस्तृत विवरण निचाके लिंकमे देख सकै छि ।

Source: https://dohs.gov.np/health-facilitywise-issued-16-june-2021/

सरकार अखन प्रत्येक दिन कोनो नै कोनो दातृ निकाय सँ स्वास्थ्य सामानसभ सहयोग प्राप्त भळरहल समाचार अबैत अछि । वास्तवमे ऊ सामानसभ कत जाईछै ? अस्पतालमे त अखनो स्वास्थ्य उपकरणके अभाव जेना देखाईत छै त ?

वैदेशिक रोजगारीमे जायके लेल सरकारद्वारा तोकलगेल प्रयोगशालामे मात्रे पिसिआर परिक्षण कर परतै? पत्रिकामे त एत वैदेशिक रोजगारीमे जायवलाके पिसिआर परीक्षण कएल जाईछै कहिक आबिरहल छै त ?

हँ, सरकारद्वारा वैदेशिक रोजगारीमे जायवला आदमीके पिसिआर परीक्षणके मान्यता सब सरकारी पिसिआर परीक्षण करवला प्रयोगशाला आ न्युनतम १०० शैया भेल नीजि अस्पतालके प्रयोगशालाके मात्रे देलगेल छै । जँ आहाँ सेहो वैदेशिक रोजगारीमे जायके लेल पिसिआर परीक्षण करारहल छी त, विज्ञापन पर मात्रे निर्भर नै भळक ऊ प्रयोगशाला उपर कहलगेल अनुसार छै या नै छै से निश्चित केलाके बाद मात्रे परिक्षण कराएब ।

Source: https://cutt.ly/snFJFDg

कोभिड - १९ के समयमे सुस्त प्रतिकार्य

सरकारके कोभिड - १९ प्रतिकार्य विरुद्ध भेल विरोध आ सरकारद्धारा कएलगेल निर्णयसभ

वास्तवमे कोन बात अपनासभके मृत्युके मुँह मे पहुँचा रहल छै ? विषाणु ? या भ्रष्टाचार, अप्रभावकारी व्यवस्था आ इमानदार नेतृत्वके कमी सँ ?

१७, जनवरी २०२०

नेपालमै पहिलो पिसिआर परीक्षण शुरु भयो

२९ मार्च २०२०

बीपी कोईराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानमा पिसिआर परीक्षण शुरु भयो

३१ मार्च२०२०

पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानमा पिसिआर परीक्षण शुरु भयो

६ अप्रिल २०२०

नेपालका सातै प्रदेशका १० वटा प्रयोगशालाबाट पिसिआर परीक्षण शुरु भयो

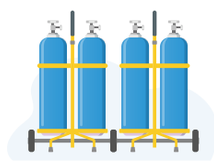

१४ मे २०२१

सरकारले अक्सिजन सिलिण्डर आयात गर्न शुरु गऱ्यो

जनवरी २०२०	अप्रिल २०२०	जुलाई २०२०	अक्टोबर २०२०	जनवरी २०२१	अप्रिल २०२१
०	४५	१७	६	२	११
विरोधका घटना बदर्ता	विरोधका घटना बदर्ता	विरोधका घटना बदर्ता	विरोधका घटना बदर्ता	विरोधका घटना बदर्ता	विरोधका घटना बदर्ता

पहिलो देशव्यापी लकडाउन :
२०७६ चैत्र ११ देखी श्रावण ७ गाते सम्म

फेरी पनि केही जिल्लामा लकडाउन :
२०७७ श्रावण महिनाको मध्य देखी २०७७ असोज १ गाते सम्म

प्राय सबै जिल्लामा कुनै न कुनै प्रकारको निषेधाज्ञा :
२०७८ बैशाख १३ गाते देखी हाल सम्म

स्पष्टिकरण: ई तथ्यांक अनलाईन मिडिया, राष्ट्रिय दैनिकसभ, जिला स्तरमे प्रकाशित होबवला पत्रपत्रिकासभ आ नेपाल प्रहरीके वेवसाईटसँ संकलन कल एकिकृत कएलगेल छै । तै सँ, अई सँ वास्तविक आँकडा सँ बेसी निर्धारित समयमे सम्बन्धित घटनाके प्रवृत्तिके देखबैत छै ।

२०२० के अप्रिल महिनाके अन्ततकमे सेहो कोभिड प्रतिकार्यमे सरकारके पहल प्रति सर्व साधारण विरोध नै केने छलै, जखन कि संक्रमण धिरे धिरे बढिरहल छलै । ओई समयमे स्वास्थ्य उपकरण आ परिक्षण किटके चरम अभाव छलै । २०२० के अन्ततक सरकार परीक्षण करवला प्रयोगशालाके संख्या बढेलक, अवस्था सेहो सामान्य होबदिस आगु बढल आ विरोधके घटना सेहो धिरे धिरे घटल । जखन नेपालमे कोरोनाके दोसर लहर शुरु भेलै, अक्सिजन सिलिण्डरके अभाव देखेलै आ विरोधके घटना सेहो बढ लागल । एना देखलापर, दुनु लहरमे एकटा समानता देखाईत छै, ऊ कहबै त विरोध भेलाके बाद मात्रे सकृय होबवला सरकारके प्रवृति । अई सँ संकटके समयमे सरकारके प्रतिकार्य अपेक्षा केने सँ बहुते सुस्त रहल देखाईत छै । आगामी आर्थिक वर्षके लेल सरकार बजेट सेहो लाबिचुकल अछि । अईमे सरकार व्यवहारत: कोभिड प्रतिकार्यके प्राथमिकतामे राखके साथे स्वास्थ्य संरचनाके मजबुत करमे ध्यान केन्द्रित करके चाही ।

Source: https://nepalmonitor.org/

श्रमिक संगी

Shramik Sanjal

वैदेशिक रोजगारीसँ नेपाल फिर्ता आएल श्रमिकके क्वारेन्टाईन खर्च सरकार देतै

अखनके नियम अनुसार मध्यपूर्वके ६ टा आ मलेसियासँ नेपाल आबवला श्रमिकके ५ दिन अनिवार्य क्वारेन्टाईनमे रह परत । जँ कोरोना परिक्षण केलापर पोजेटिभ एलापर आरो १० दिन क्वारेन्टाईनमे रह परतै । एहन अवस्थाममे सरकार थपलगेल १० दिनके क्वारेन्टाईन खर्च तिरत । लेकिन, ५ दिन अनिवार्य रहपरवला क्वारेन्टाईन खर्च लेकिन श्रमिकके अपने तिर परत ।

यूएई:

जुन २३ सँ कार्यान्वित होतै तेना कल दक्षिण अफ्रिका, नाईजेरिया आ भारतसँ यात्रुसभ आब सकैय । लेकिन अई देशसँ एलापर यूएईसँ मान्यता भेटल ४ खोप (सिनोफार्म, फाइजर बायोटेक, स्पुतनिक आ अक्सफोर्ड अस्ट्राजेनिका) के दुनु खोराक लगेने होबके चाही । एहि संगे, ४८ घण्टा सँ कमके पिसिआरके क्युआर कोड सहितके नेगेटिभ रिपोर्ट सेहो साथमे होब परतै ।

कुवेत:

कुवेतद्वारा स्वीकृती भेटल अक्सफोर्ड/अस्ट्राजेनिका, फाइजर, मोडर्ना आ जोनसन एण्ड जोन्सन खोप लगेने आप्रवासीसभके १ अगष्ट, २०२१ सँ कुवेत आब पाओत । ऊसभ ७ दिन होम क्वारेन्टाईनमे रह परत । पिसिआर नेगेटिभ एलापर काममे जाल सकैय ।

२७ जुनसँ कार्यान्वित होई तेना क कोरोना विरुद्धके खोप नै लगेने आदमीसभके सपिङ मल, रेष्टुरेण्ट, लुन आ प्रमुख कम्प्लेक्समे प्रवेश कर नै देल जेतै ।

कुवेत उच्च जोखिम आ न्यून जोखिम देशके सुची हटेलक । कुवेतसँ स्वीकृती भेटल खोप लगेने सब आप्रवासीसभके कोनो भी देश सँ स्वास्थ्य मापदण्ड पुरा करैत कुवेत आब सकैय ।

कुवेतके भीषा भल्लक सेहो कुवेत बाहर अइकल आप्रवासीके भीषा अवधी खतम भेल छै त अनलाइन सँ सेहो नविकरण कर सकै छी ।

कतार:

कतारद्वारा विश्वकप २०२२ देख आबवला १० लाख दर्शकके कोरोनाभाइरस विरुद्धके खोप नि:शुल्क लगा देबवला अछि ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

खिस्सा किनाराके

जनानीके बान्हवला ईज्जतके डोरी सँ पुरुषके बान्ह नै मिलतै ?

झापाके सरिता (नाम परिवर्तन) अखन २५ वर्षके भेलिह । हुनकर करिब ६ वर्ष आगु झापाके एक युवकसँगे आदर्श विवाह भेलै । अखन हुनकालग ५ सालके बेटी सेहो छै । विवाहके किछ समयके बाद हुनकर घरवला लागुऔषधके दुर्व्यसनी भेल बात पता चललै । हुनकर घरवला वैदेशिक रोजगारीमे जाय लागला सँ सेहो सुधरिजाएत कहिक उम्मीद केलिह । बीचबीचमे हुनकर घरवला घर आबैत रहैत छलै । किछ समय घरमे रहिक फेर वैदेशिक रोजगारीमे जाई छलै । ओइ समयमे सेहो ऊ कहियो सरिताके समय नै देलैथ, नै त कोनो सहयोगे केलैथ । छोट समयके लेल घरपर रहला सँ आसपास, संगीसाथी, परिवार सबके समय देब परतै कहिक सरिता अपन मन बुझेलिह ।

कोरोनाके लहर शुरु भेलाके बाद हुनकर घरवला सेहो घर फिर्ता आयल । रोजगारी गेलाके बादो घरवला संगे रह पेलाके बाद सरिता खुसीए छलिह । लेकिन, हुनकर उम्मीद केने अनुसार हुनकर घरवला नै बदलल । अई बेर लम्बा समय परिवारसँगे रहलाके बादो ऊ सरिताके कोनो वास्ता नै केलाह । उल्टे घरवालीपर शंका कर लागल । लकडाउनके समयमे घरवलासंगे घरमे रहलापर सरिताके आरो बेसी तनाव होब लगलै । घरवला झै झगडा करैत शारीरिक यातना सेहो देब लागल ।

लकडाउन भेला सँ कतौ जाय सेहो नै सकैत छै । नैहरमे माँ बाबुजी सेहो घरके ईज्जत देख बेटि कहिक कहैत छैथ । ईम्हर सास ससुर सेहो घरवलाके छोडलापर कोई ईज्जत नै करत कहैत छैथ

आब ऊ ई तथाकथित इज्जत राख सेहो अपन दु:ख केकरो सुनाब नै सकै छै ।

विवाह केने लम्बा समय भेलाके बादो घरवला सँ कोनो प्रेम आ सहयोग नै पेने सरिता अखन लेकिन घरवला वास्तवमे गलत अछि से महसुस भेल छै । अखन हुनका सब सँ बेसी चिन्ता लकडाउनके समयमे एकेठा घरमे घरवला संगे केना रहब से छै । दोसर दिस, घरवला संगेके सम्बन्धमे ५ सालके बेटीके दिमागमे केहन प्रभाव परतै से छै । कि वास्तवमे समाजमे जनानीके बान्हवला ईज्जतके डोरी सँ पुरुषके बान्ह नै मिलतै ?

भोइसेस आउट लाउड - हमर बात

अई बेर जलेश्वर अस्पतालमे जोखिममे रहल संक्रमितसभके मात्रे ईलाज भलरहल छै । अधिकांश संक्रमितमे निमोनियाके समस्या छलै । अस्पतालमे बेसीमे १५ दिनतक राखिक संक्रमितसभके घर पठाब सफल भेल छी । एत भेन्टिलेटरके सुविधा नै भेला सँ बाहर पठाबहे परवला संक्रमितके मात्रे पठेने छलौ । वितल साल सिफारिश करवला अस्पतालके आरोप लागल अई जगहसँ कमे रोगीसभके मात्रे बाहर पठाएल गेल छै । तै पर सँ परिवारजनसँ बाहर पठाबके लेल सिफारिश कळदेब दबाव अबैत छल । लेकिन तैयो हमसभ एतके ईलाजपर विश्वास कर कहने छलौ आ हुनकासभके निक करमे सेहो सफल भेलौ ।

डा.सुभाष मिश्रा

मेडिकल अधिकृत एवं कोभिड अस्पताल फोकल पर्सन,
जलेश्वर अस्पताल, महोत्तरी

स्टाफ नर्स,
जलेश्वर अस्पताल, महोत्तरी

संक्रमितसभ अस्पतालमे पहुँचलाके बाद डाक्टर सुईया लगाक मारैत अछि से मानसिकता ललक अबैत छलाह । शुरुमे हुनकासभके परामर्श देबमे बहुते कठिनाई भेल । हमसभ आहाँसभके सेवामे दिनराती खठल छी आ किछ नै भेल छै कहिक हौसला दैत छी । कोभिड संक्रमितके ईलाजमे लगलाके बाद सँ घर नै गेल छी । अस्पताले खाय आ रहके व्यवस्था मिलेने छै । हम वितल साल सेहो कोभिड अस्पतालमे खटल छलौ, लेकिन तैयो जोखिम भत्ता नै भेटल । अई सँ कहियोकाल निराश बनाबैय ।

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स *एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी ग़लत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।*

कोभिड - १९ मात्रे स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्रे नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org
Phone: 9851203219